श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री उपसभापतिः डा. तज़ीन फातमा जी, आपका सब्जेक्ट है – देश को समाजवाद नहीं, राष्ट्रवाद की जरूरत। यह ज़ीरो ऑवर का सब्जेक्ट नहीं है, इसलिए इसको परमिट नहीं किया गया है।

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): सर, यह यूपी के सीएम ने कहा है। ...(**व्यवधान**)... यह उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री ने कहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः मैंने नोटिस पढ़ा, चूंकि उसमें यह सब्जेक्ट लिखा है, इसलिए यह ज़ीरो ऑवर का सब्जेक्ट नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आप सब्जेक्ट बदल कर दूसरा नोटिस दे दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, क्या कल दूसरा नोटिस दिलवा दूं? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः ठीक है, आप कल सब्जेक्ट बदल कर दूसरा नोटिस दे दीजिए। ...(**व्यवधान**)... श्री राजीव शुक्ल। ...(**व्यवधान**)...

Need to encourage women in sports

श्री राजीव शुक्ल (महाराष्ट्र): मैं सदन में एक अति महत्वपूर्ण प्रश्न उठाना चाहता हूं। आजकल हमारे देश की महिलाएं स्पोर्ट्स में बहुत अच्छा काम कर रही हैं। आपने देखा होगा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम विश्वकप के फाइनल तक पहुंची, लेकिन लगता है कि हमारा सचिवालय भूल गया और इस सदन में हर जीत पर बधाई देने की जो परंपरा लगातार चली आ रही थी, यहां उस टीम को बधाई तक नहीं दी गई। प्रधान मंत्री जी ने भी अपने कई संदेशों में यही बात कही और पूरे देश ने उनका स्वागत किया, परन्तु इस सदन ने उनका स्वागत नहीं किया। यह अलग विषय है, लेकिन महिलाओं ने जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों में स्पोर्ट्स में कमाल करके दिखाया है, मेरा सरकार से आग्रह है कि महिलाओं को खेलों में प्रोत्साहन देने के लिए स्पोर्ट्स मंत्रालय को विशेष नीति बनानी चाहिए। मैं यहां कुछ नाम लेना चाहूंगा। टेनिस में सानिया मिर्ज़ा को आप जानते हैं कि किस तरह वह विश्व-स्तर पर छाई हुई हैं। उसी तरह साइना नेहवाल बैडमिंटन में, सबा अंजुम हॉकी में, मितली राज और हरमनप्रीत कौर क्रिकेट में, पी.वी. संधु बैडमिंटन में, अरुणिमा सिन्हा वॉलीबाल एवं फुटबाल में – वह माउंट एवरेस्ट पर भी जा चुकी हैं, पिछले दिनों ट्रेन से नीचे फेंक दिए जाने के कारण इनकी टाँग कट गई थी, इसके बावजूद उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की – एम.सी. मेरी कॉम, जिन्हें हम इस सदन का सदस्य होने के नाते जानते हैं, उन्होंने मुक्केबाज़ी में कितनी अच्छी performance विश्व-स्तर पर दी, हिना सिद्धू पिस्टल में और गीता, बबीता, ऋतु, संगीता फोगट और साक्षी मलिक महिला कुश्ती में नाम कमा चुके हैं। आपने देखा होगा कि महिला कुश्ती पर फिल्में बनाकर सैंकड़ों रुपए – सलमान खान की 'सुल्तान' नाम की फिल्म और आमिर खान की 'दंगल' फिल्म ने कमाए। आप समझ सकते हैं कि पूरे देश की जनता का response उनके प्रति कितना जबर्दस्त था। ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रहीं। इसी तरह दीपिका पल्लिकल स्क्वैश में और शर्मीला निकोलट ने गोल्फ में नाम कमाया। मैंने ये कुछ नाम लिए हैं। आप देख सकते हैं कि इस देश की महिलाएं हर क्षेत्र में खेलकर बहुत नाम

कमा रही हैं। इसके बावजूद अभी तक महिलाओं को प्रोत्साहन देने संबंधी कोई नीति भारत सरकार ने नहीं बनाई है। हमारा खेल मंत्रालय सब कुछ साई, Sports Authority of India, पर छोड़ देता है, जो इस मामले में कोई कदम नहीं उठाता। अगर हम महिलाओं को खेलों में प्रोत्साहन देने के लिए देश में जरूरी infrastructure create करें, जैसे कुश्ती में हरियाणा की ज्यादातर महिलाएं बहुत आगे बढ़ चुकी हैं, लेकिन उनके लिए वहां कोई ढांचागत सुविधा नहीं है, कोई सेंटर ऐसा नहीं है, जहां उन्हें ट्रेनिंग दी जा सके या उन्हें तैयार किया जा सके। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि आप महिलाओं को खेलों में प्रोत्साहन देने संबंधी नीति बनाने हेतु सरकार को निर्देश दें। सरकार के लोग भी यहां बैठे हुए हैं। उन्हें भी महिलाओं को खेलों में प्रोत्साहन देने के लिए अधिक से अधिक कोशिश करनी चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो मुझे लगता है कि हम आगामी ओलम्पिक में अनेक मैडल ला सकते हैं, जो हमारे पुरुष नहीं ला पा रहे हैं। 60 साल आपने try करके देख लिया, अब महिलाओं को भी अवसर मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि निश्चित रूप से वे इसमें सफल होंगी। आपका समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI PRAMOD TIWARI (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the issue raised by Shri Rajeev Shukla.

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Rajeev Shukla.

SHRIMATI CHHAYA VERMA (Chhattisgarh): Sir, I too associate myself with the issue raised by Shri Rajeev Shukla.

SHRIMATI M. C. MARY KOM (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Rajeev Shukla.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Rajeev Shukla.

श्री प्रदीप टम्टा (उत्तराखंड): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we all associate ourselves with the issue raised by Shri Rajeev Shukla.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is an all-round support. The whole House agrees with him. Thank you for raising it.

Concern over the dangerous consequences of internet game, 'Blue Whale'

श्री अमर शंकर साबले (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार और पूरे देश का आह्वान करना चाहता हूं कि हमारे यहां मुम्बई में मनप्रीत नाक के लड़के ने सातवीं मंज़िल से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। मनप्रीत 'Blue Whale' गेम लगातार 50 दिनों से खेल रहा था। इस